क्रिसमस-ट्री जहाज़

क्रिसमस-ट्री जहाज़

इस बात में कोई संदेह नहीं कि एल्ज़ी, पर्ल और हेज़ल के लिए क्रिसमस का समय ही वर्ष का सबसे अच्छा समय है. नवम्बर की बर्फ़ीले दिनों में वह तीनों स्प्रूस के पेड़ इकट्ठे कर के '*क्रिसमस-ट्री जहाज़*" में लादने में अपने पिता की सहायता करती हैं. एक महानगर तक स्प्रूस के पेड़ ले जाने के लिये पिता जहाज़ को मिशिगन झील के पार ले जाते हैं.

एक बार जब '*क्रिसमस-ट्री जहाज़*''' झील में खो गया तो लड़कियां अपने पिता के घर लौटने की प्रतीक्षा करती रहीं. लेकिन जब अगला नवम्बर आ गया तब एल्ज़ी, पर्ल और हेज़ल और उनकी माँ समझ गयीं कि उन्हें क्या करना होगा.

सत्य घटना पर आधारित यह सुंदर कहानी हमें यह समझाती है कि जीवन में संकल्प और साहस का कितना महत्व है.

क्रिसमस-ट्री जहाज़

'क्रिसमस-ट्री जहाज़''' एक सत्य कहानी पर आधारित है. 1887 की सर्दियों में हरमन स्कुयनामैन ने पहली बार मिनिस्तीक, मिशिगन से लाये स्प्रूस के पेड़ अपने जहाज़, राऊज़ सिम्मन्स, पर लाद लिए. मिशिगन झील में जहाज़ चलाते हुए, ठीक क्रिसमस के समय, उन पेड़ो को वह शिकागो ले आया. फिर हर वर्ष क्रिसमस के समय उस महानगर में वह स्प्रूस के पेड़ लाया करता था. लेकिन 1912 की सर्दियों में उसका जहाज़, राऊज़ सिम्मन्स, झील में खो गया. उस दुखद घटना के बाद भी कप्तान स्कुयनामैन की पत्नी और तीन बेटियों ने उस परंपरा का अनुसरण किया और अगले बाईस वर्षों तक जहाज़ भर कर स्प्रूस के पेड़ शिकागो लाती रहीं.

काट, काट, काट, कुल्हाड़ियाँ काटती रहीं. ठंडे उत्तरी जंगलों में स्प्रूस के पेड़ कटते रहे. हर वर्ष नवम्बर के अंतिम दिन कप्तान हरमन और उसके नाविक क्रिसमस के समय महानगर ले जाने के लिए स्प्रूस के पेड़ काटते थे.

कप्तान की पत्नी, हेन्नाह, और तीन बेटियाँ, हेज़ल, पर्ल और छोटी एल्ज़ी हर वर्ष जंगल आकर उसकी सहायता करती थीं.
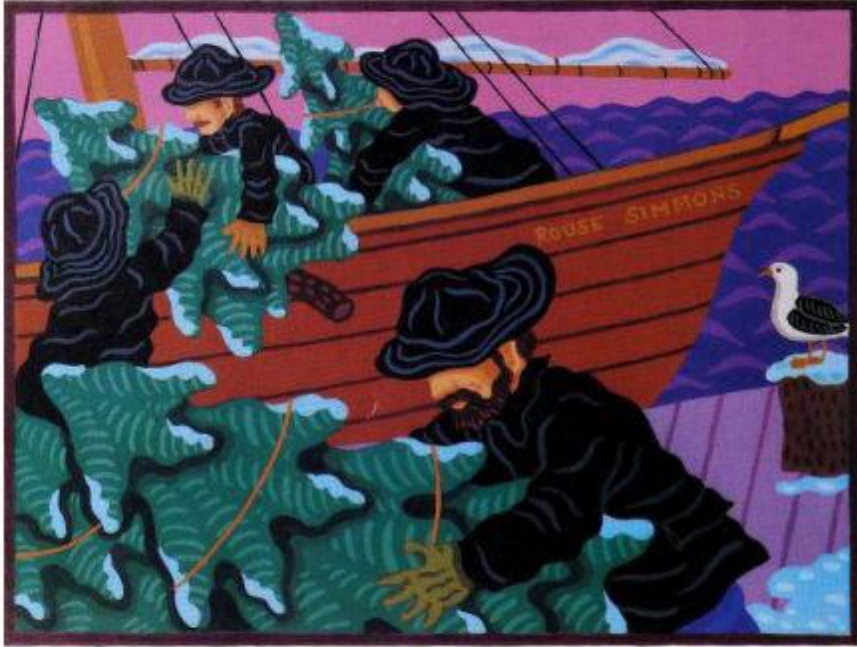
गर्मियों में कप्तान का जहाज़ मछलियाँ पकड़ने वाला जहाज़ बन जाता था. लेकिन हर वर्ष सर्दी में वह ‘*क्रिसमस ट्री जहाज़*’ बन जाता था. कप्तान हरमन जहाज़ में स्प्रूस के पेड़ लाद लेता था और मिशिगन झील के पार शिकागो महानगर ले जाता था, जहां हर कोई उसे जानता था.

हेन्नाह और लड़कियों ने एक सुबह, जब कड़कती ठंड थी, उसे अलविदा कहा और जहाज़ को जाते हुए वह चारों देखती रहीं.

झील के बर्फीले पानी में चलते '*क्रिसमस-ट्री जहाज़*' के साथ-साथ कई सीगल भी उड़ते थे.

रात हुई, बर्फ गिरने लगी. गिरते हिमकण गिरते तारों जैसे लगते थे. झील में रात बिताना कप्तान को अच्छा लगता था.

जैसे ही जहाज़ शिकागो नदी से होते हुए क्लार्क स्ट्रीट ब्रिज की ओर आता था, झील का शांत वातावरण महानगर के कोलाहल में बदल जाता था.

पुराने मित्र और नये ग्राहक कप्तान का अभिवादन करते थे और उससे हेन्नाह और उसकी बेटियों का कुशलक्षेम पूछते थे. महानगर में कप्तान हरमन के कई मित्र थे.

पिता और बेटे स्प्रूस के पेड़ उठा कर बर्फ से ढकी गलियों से होते हुए अपने घर ले जाते थे.
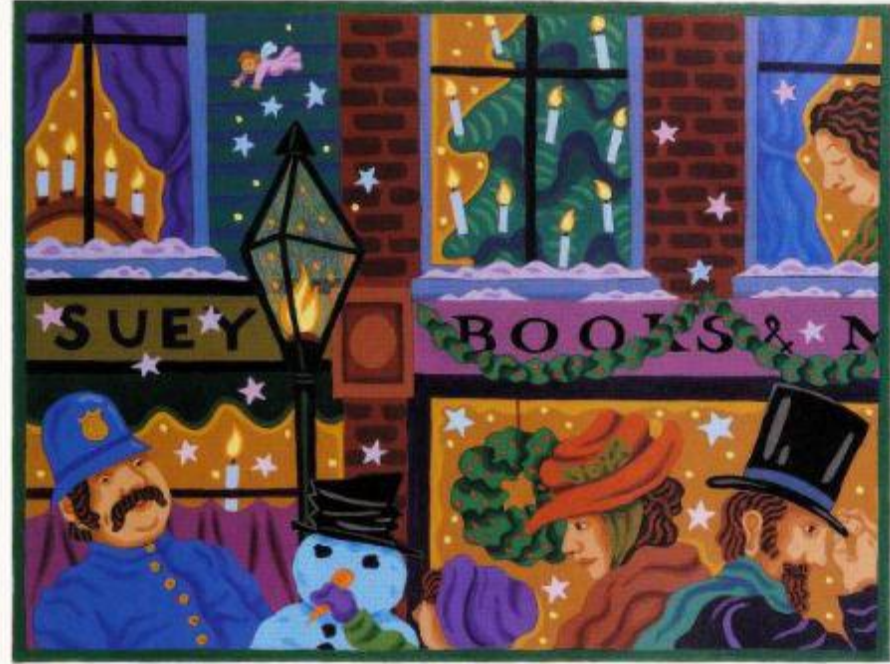
उजले कमरों में जलती सुंदर रोशनियाँ सबको घर लौटने का निमंत्रण देती थीं.

दूर, बहुत दूर जंगलों से लाये गये स्प्रूस के पेड़ सारे नगर के आरामदायक घरों में आकर्षक ढंग से सजे थे.

वहां कप्तान के घर में, हर वर्ष की तरह, हेन्नाह और हेज़ल और पर्ल और एल्ज़ी झील को देखते हुए कप्तान के लौटने की प्रतीक्षा करती थीं.

अगले वर्ष जब कप्तान महानगर में ले जाने के लिये पेड़ काट रहा था तब खूब बर्फ गिरी और गिरती रही.

तूफानी झील में पेड़ों से भरा जहाज़ ले जाने से पहले उसने परिवार को गले लगा कर अलविदा कहा.

बहुत तेज़ बर्फ गिरी. फिर धरती और झील पर बर्फानी तूफ़ान शुरू हो गया.
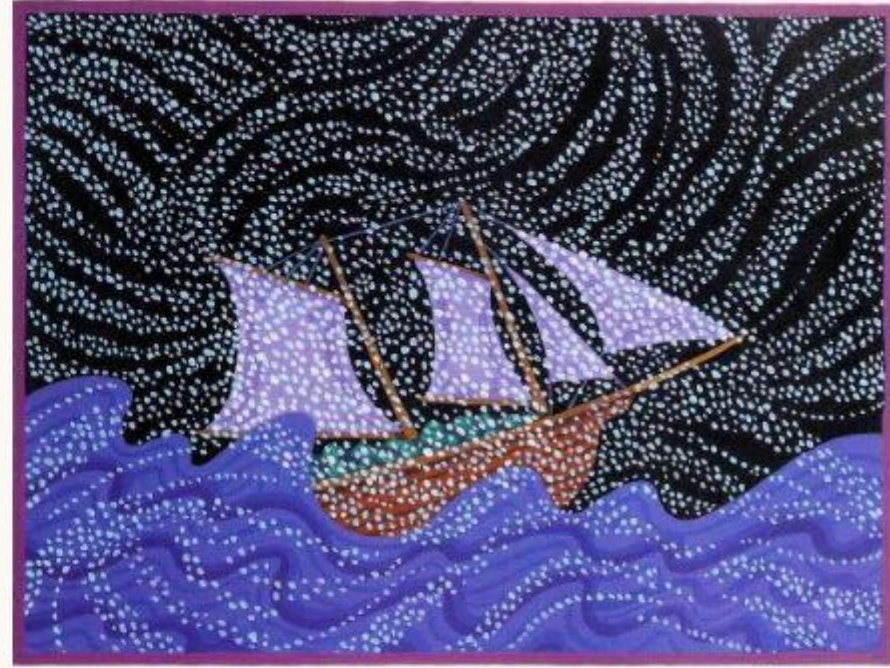
शीघ्र ही '*क्रिसमस-ट्री जहाज़*' झील पर चलते बर्फानी तूफ़ान में पूरी तरह घिर गया और लगभग अदृश्य हो गया.
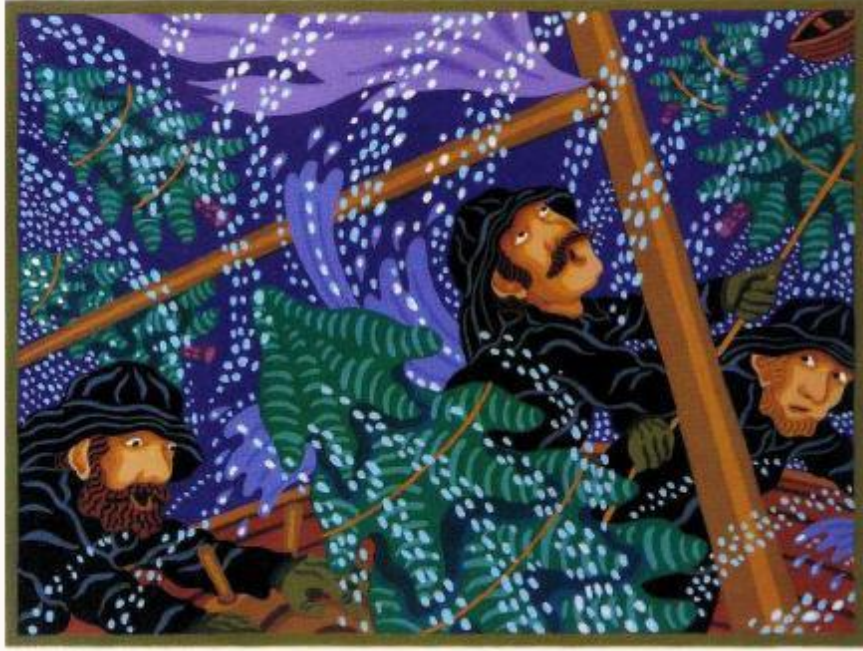
कप्तान और उसके नाविकों ने तूफ़ान का डट कर मुकाबला किया. तूफ़ान इतना भयंकर था कि पेड़ उड़ कर झील में जा समाये. छोटी लाइफबोट जहाज़ से अलग हो गयी और झील में कहीं खो गई.
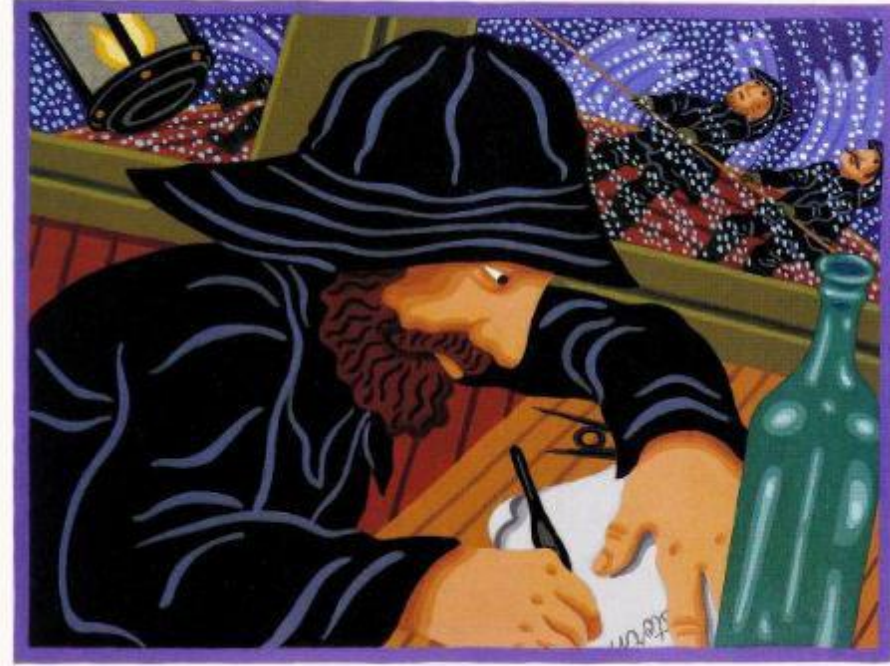
जहाज़ की लॉगबुक से कप्तान ने एक पन्ना फाड़ कर उस पर अपने परिवार के लिये एक संदेश लिखा. उस पन्ने को उसने एक बोतल में बंद कर दिया और उसे झील में फेंक दिया.

तूफ़ान के थमने के बाद कई माता और पिता, बेटे और बेटियाँ ने क्लार्क स्ट्रीट ब्रिज पर '*क्रिसमस-ट्री जहाज़*' की प्रतीक्षा की.
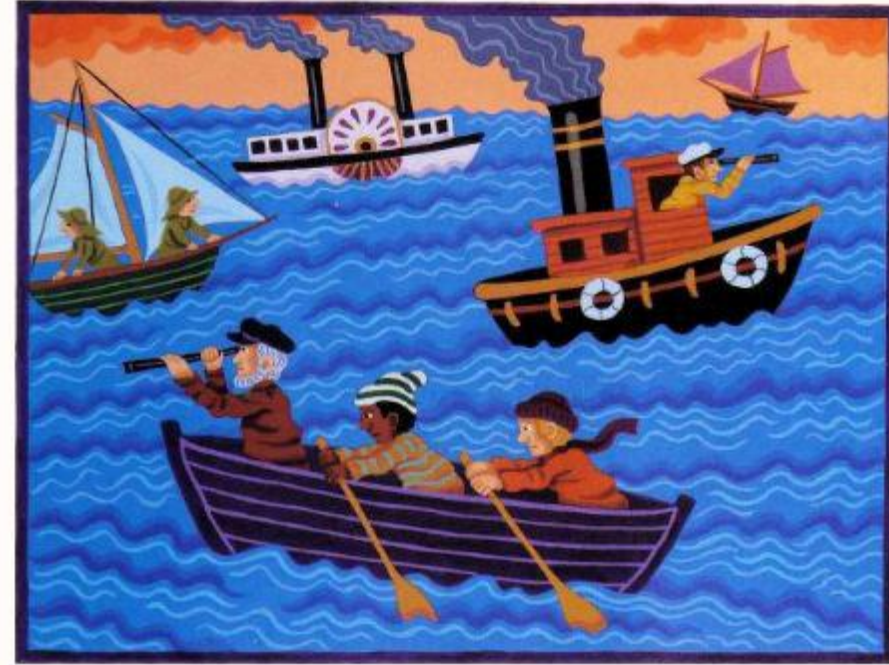
अख़बारों में समाचार छपा कि कप्तान लापता था. सूर्योदय से सूर्यास्त तक कई जहाज़ों ने बर्फीले पानी में कप्तान को हर ओर खोजा.

फिर दो मछुआरों को अपने जालों में फंसे हुए स्प्रूस के पेड़ मिले. लेकिन '*क्रिसमस-ट्री जहाज़*' महानगर कभी नहीं पहुंचा.

कुछ दिनों बाद विस्कॉन्सिन के तट पर एक बोतल मिली. बोतल के अंदर कप्तान हरमन का सन्देश था. लिखा था: *मेरी प्रिय हेन्नाह और प्रिय बेटियो. भयंकर तूफ़ान है - हम संघर्ष कर रहे हैं. मैं तुम से बहुत प्यार करता हूँ - हरमन.*

हेन्नाह ने अपने पति हरमन के लौटने की प्रतीक्षा की, और प्रतीक्षा की. लेकिन वह कभी लौट कर न आया.

पति को खो कर हेन्नाह बहुत दुःखी हुई.

हेज़ल, पर्ल और एल्ज़ी भी पिता को बहुत याद करती थीं.
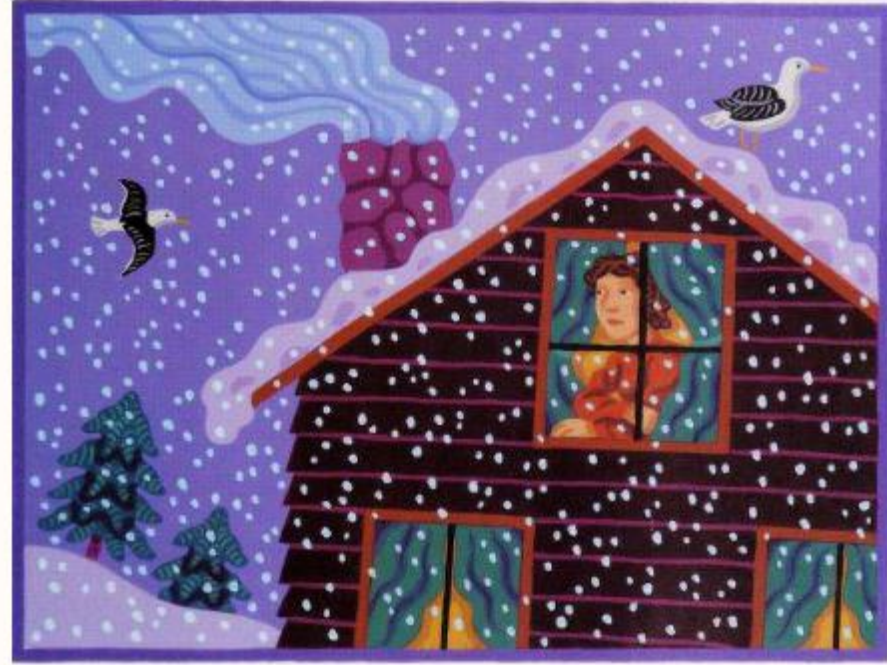
लेकिन जब नवम्बर में बर्फ गिरने लगी तो हेन्नाह समझ गई कि उसे क्या करना था.

उसने कुछ नाविकों को काम पर रख लिया और उनसे स्प्रूस के पेड़ कटवाये. हेज़ल, पर्ल और एल्ज़ी ने पिता का कार्य जारी रखने में माँ की सहायता की.
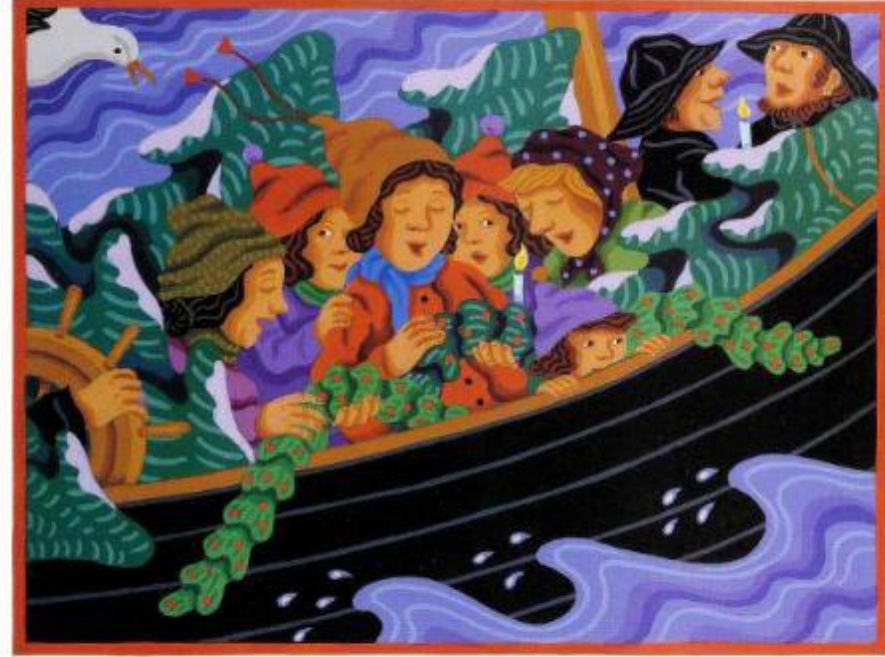
एक नये जहाज़ पर कटे हुए पेड़ लाद दिए गये. हेन्नाह और लड़कियाँ और नगर की कुछ औरतें जहाज़ में सवार हो गईं. नाविक जहाज़ को झील के पार शिकागो ले आये. सारे रास्ते औरतें फूलों का हार बनाती रहीं और भजन गाती रहीं.

क्लार्क स्ट्रीट ब्रिज पर खड़े कप्तान के पुराने ग्राहकों ने जहाज़ को दूर से ही देख लिया. जहाज़ पेड़ों से भरा था और उस पर जलती मोमबत्तियां चमक रहीं थी. तुरंत सब को पता लग गया कि '*क्रिसमस-ट्री जहाज़*' आ रहा था.
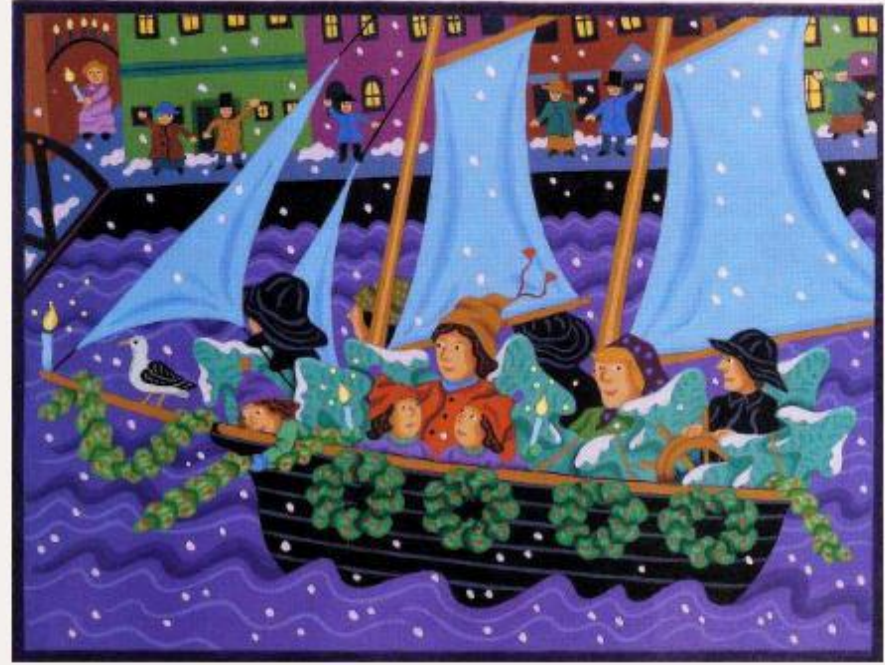
जैसे ही नए जहाज़ ने नदी में प्रवेश किया, हेन्नाह और उसकी बेटियों का स्वागत करने के लिये कई लोग इकट्ठे हो गये. बूढ़े और युवा, सब मिलकर गीत गाने लगे. पूरा नगर क्रिसमस के प्रकाश और संगीत से खिल उठा.

और फिर कई वर्षों तक, ठीक क्रिसमस के समय, '*क्रिसमस-ट्री जहाज़*' झील के रास्ते, स्प्रूस के पेड़ महानगर ले कर आता रहा.

समाप्त